आज की मुरली का सार ------- Date: 25-05-2014

बाबा चाहते हैं की हमें कोई भी बहारवाला देखे तो हमारे चेहरे से बाप द्वारा प्राप्त हुई अविनाशी खुशी, अतीन्द्रिय सुख की, अविनाशी शांति की झलक दिखाई दे. हमारे चेहरे, बाप द्वारा प्राप्त हुई प्रौपर्टी दिखाने के आईने बने.

बाबा कहते हैं हम बच्चों को माया से गभराने वाले नहीं, लेकिन माया को चेलेन्ज करनेवाले बनना हैं.

बाबा कहते हैं हम बच्चों को लक्ष्य रखना हैं 108 कि माला में आने का. सदा श्रेष्ठ लक्ष्य रखना कि हम ही कल्प पहले वाले विजयी रत्न थे और सदा रहेंगे. तो सदा अपने को विजयी रतन ही अनुभव करेंगे.

बाबा चाहते हैं की हम बच्चों का अशरीरी बनना इतना सहज होना चाहिए की जैसे स्थूल वस्त्र उतार देते हैं वैसे यह देह अभिमान के वस्त्र भी सेकेण्ड में उतार दे. जब चाहे धारण करें, जब चाहे उतार दे. लेकिन यह अभ्यास तब होगा जब किसी भी प्रकार का बन्धन नहीं होगा. अगर मन्सा संकल्प का भी बंधन हैं तो डिटैच हो नहीं सकेंगे. हमें चेक करना हैं की हमारे मन्सा, वाचा, कर्मणा, सम्बन्ध में अगर अटैचमेन्ट हैं, लगाव हैं तो डिटैच नहीं हो सकेंगे.

अभ्यास करना हैं की जैसा संकल्प किया, वैसा स्वरूप हो जाए. चेक करना हैं की संकल्प के साथ-साथ स्वरूप बन जाते हो या संकल्प के बाद टाईम लगता हैं स्वरूप बनने में? अगर टाईम लगता हैं तो अभी भी मेरा अटैचमेन्ट हैं. अगर डिटैच हैं तो संकल्प किया और अशरीरी हो जायेंगे या संकल्प किया मास्टर प्रेम सागर की स्थिति में स्थित हो जाओ और वह स्वरूप हो जाए.

वृति अचल बनने की सहज युक्ति हैं नथिंग-न्यू. कैसी भी बात आजाए, चाहे मन्सा की, चाहे वाणी की, चाहे सम्पर्क सम्बन्ध की, लेकिन नथिंग-न्यू. नथिंग-न्यू में न क्वेश्चन और न आश्चर्य.

माया की चाल से बचकर सदा विजयी बनने की विधि हैं मास्टर सर्वशक्तिवान की स्टेज पर स्थित रहो. में मास्टर सर्वशक्तिवान, कल्प-कल्प की विजयी आत्मा हूं या विजय मेरा जन्मसिद्ध अधिकार हैं इसी स्टेज पर स्थित रहो और माया से धभराओ नहीं. नॉलेजफुल की स्टेज पर रहो तो माया से कभी धोखा नहीं खा सकते.

अमरनाथ बाप द्वारा संगम पर भी माया से बचने का सदा अमर रहने का वरदान हम बच्चों को प्राप्त हैं. हम भाग्यशाली आत्माओं को स्वयं सतगुरु का वरदान मिला हुआ हैं. अगर ये नशा रहे तो स्वप्न में भी माया से मूर्छित नहीं हो सकते. वरदान वाली आत्मा निश्चय बुद्धि होने के कारण सदा विजयन्ति होती ही हैं.

ॐ शांति.